

फरवरी
2025



धर्म एवं अध्यात्म के तत्वज्ञान का वैज्ञानिक विश्लेषण

अखण्ड ज्योति

वर्ष
89

अंक - 2 | प्रति - ₹ 25 | ₹ 300 वार्षिक



ज्योति से ज्योति अन्वये
देव अन्वये दुर्लभ अमरमन्त्र



9 ▶ महाशिवरात्रि का महापर्व
27 ▶ मानवीय हृदय की पुकार है राग

16 ▶ धर्म और मनोविज्ञान का समन्वय
43 ▶ समझदारों की नासमझी

विषय सूची

* आवरण—1	1	* शिक्षा में जीवन प्रबंधन के प्रयोग	34
* आवरण—2	2	* ब्रह्मवर्चस-देव संस्कृति शोध सार—190	
* क्रमशः अखण्ड ज्योति परिवार	3	प्रज्ञायोग का दर्शन	37
* विशिष्ट सामयिक चिंतन		* युगगीता—297	
जलवायु-परिवर्तन एवं बिगड़ता मौसम	5	कर्म नहीं कर्मफल की इच्छा का त्याग	41
* सर्वशक्तिशाली हैं ईश्वर	8	* परमवंदनीया माताजी की अमृतवाणी	
* पर्व विशेष—महाशिवरात्रि पर्व	9	समझदारों की नासमझी (पूर्वार्द्ध)	43
महाशिवरात्रि का महापर्व		* विश्वविद्यालय परिसर से—236	
* अविस्मरणीय आदर्शों की प्रेरणापुंज	12	गीता का सार और महिमा	49
देवी अहिल्याबाई होल्कर	15	* साधना शताब्दी-विशिष्ट लेखमाला	
* हेमू विक्रमादित्य की ऐतिहासिक हवेली	16	औषधीय-वनस्पतियों में संजीवनी प्रकाश	56
* धर्म और मनोविज्ञान का समन्वय	19	* अपनों से अपनी बात	
* संपूर्ण स्वास्थ्य का लाभ	22	ज्योति अब ज्वाला बनेगी	59
* हिम मानव का रहस्य	25	* अपनों से अपनी बात	
* इच्छाशक्ति को कुछ ऐसे बढ़ाएँ	27	अविस्मरणीय, अद्भुत एवं अलौकिक	
* मानवीय हृदय की पुकार हैं राग	30	कार्यक्रमों की शृंखला	62
* बच्चों से सम्मान के अधिकारी बनें	33	* महाकाल (कविता)	66
* पूज्य गुरुदेव जैसा मैंने देखा-समझा—29		* आवरण—3	67
सत्याग्रहियों की सेना में		* आवरण—4	68

आवरण पृष्ठ परिचय

उल्लास के साथ वसंत का आगमन

फरवरी-मार्च, 2025 के पर्व-त्योहार

रविवार	02 फरवरी	वसंत पंचमी/पूज्य गुरुदेव बोध दिवस	सोमवार	10 मार्च	आमलकी एकादशी
मंगलवार	04 फरवरी	सूर्य सप्तमी	गुरुवार	13 मार्च	होलिका दहन/पूर्णिमा
शनिवार	08 फरवरी	जया एकादशी	शुक्रवार	14 मार्च	होली धूलिवंदन
बुधवार	12 फरवरी	संत रविदास जयंती	शुक्रवार	21 मार्च	शीतला सप्तमी
सोमवार	24 फरवरी	विजया एकादशी	मंगलवार	25 मार्च	पापमोचनी एकादशी 'स्मा.'
बुधवार	26 फरवरी	महाशिवरात्रि	बुधवार	26 मार्च	पापमोचनी एकादशी 'वै.'
शनिवार	01 मार्च	रामकृष्ण परमहंस जयंती/ फुलरिया दूज	रविवार	30 मार्च	नवसंवत्सरारंभ/ चैत्र नवरात्रारंभ
शुक्रवार	07 मार्च	होलाष्टक	सोमवार	31 मार्च	गणगौर



यह पत्रिका आप स्वयं पढ़ें तथा औरों को पढ़ाएँ। कुछ समय के बाद किसी अन्य पात्र को दे दें, ताकि ज्ञान का आलोक जन-जन तक फैलता रहे। —संपादक

► 'नारी सशक्तीकरण' वर्ष ◀